PCS मंत्र

पीसीएस/यूपीएससी परीक्षा-उन्मुख समसामयिकी

नई पीढ़ी के कोरवेट: डिजाइन से समुद्री सुरक्षा तक

समाचार-संदर्भ: 2 नवंबर 2026

प्रकाशन: 3 नवंबर 2026

मुख्य परीक्षा: GS-III: समुद्री सुरक्षा, रक्षा-स्वदेशीकरण, औद्योगिक आपूर्ति-श्रृंखला और रोजगार।

प्रिलिम्स: NGC, GRSE, GSL, DPSU, पनडुब्बी-रोधी युद्ध और व्यक्ति-दिवस।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

भारतीय नौसेना के लिए **आठ नई पीढ़ी के कोरवेट (Next Generation Corvettes, NGC)** खरीदने का अनुबंध हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने 2 नवंबर 2026 को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) के साथ कुल **₹53,866.50 करोड़** के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। GRSE पाँच और GSL तीन पोत बनाएगी। नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में ये अनुबंध हुए।

इस परियोजना का महत्व केवल आठ नए जहाजों में नहीं है। इसमें **भारतीय नौसेना के स्वदेशी डिजाइन** को प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से चुने गए रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों के निर्माण से जोड़ा गया है। अनुबंध रक्षा-खरीद का ठोस पड़ाव है, लेकिन इसे जहाजों की तत्काल उपलब्धता या सेवा में प्रवेश समझना सही नहीं होगा।

PCSMANTRA.COM

कोरवेट की भूमिका

> **सरल शब्दों में:** कोरवेट नौसैनिक युद्धपोत की एक श्रेणी है। इस परियोजना के पोत वायु, समुद्री सतह और पानी के नीचे के खतरों से जुड़े अभियान कर सकेंगे। इन्हें उन्नत मिसाइलों, हथियारों और सेंसरों से लैस किया जाएगा। **सेंसर** वे साधन हैं जो आसपास के लक्ष्य और परिस्थितियों की जानकारी जुटाते हैं।

- **समुद्री व्यापार-मार्गों की सुरक्षा:** पोत समुद्री यातायात की सुरक्षा और निगरानी में काम आएँगे।
- **सतह-रोधी युद्ध:** समुद्री सतह पर मौजूद विरोधी जहाजों से निपटने की क्षमता।
- **पनडुब्बी-रोधी युद्ध:** पानी के नीचे के खतरों को खोजने और उनका सामना करने की भूमिका।
- **तटीय और निकटवर्ती समुद्री क्षेत्र:** तटीय रक्षा, तट के निकट युद्ध-अभियान तथा समुद्र में उपस्थिति बनाए रखना। तट के निकट के समुद्री क्षेत्र को तकनीकी भाषा में **लिटोरल क्षेत्र** कहा जाता है।

इन भूमिकाओं को एक साथ देखने पर स्पष्ट होता है कि आधुनिक युद्धपोत केवल हथियारों का वाहक नहीं है। जानकारी जुटाने, लक्ष्य पहचानने और सही समय पर कार्रवाई करने की संयुक्त क्षमता उसका महत्व तय करती है।

डिजाइन और निर्माण का अंतर

डिजाइन: जहाज की संरचना, प्रणालियों और उनकी पारस्परिक व्यवस्था की योजना बनाना। **निर्माण:** उस डिजाइन को वास्तविक पोत में बदलना और विभिन्न प्रणालियों को जोड़ना। दोनों क्षमताएँ जरूरी हैं, पर एक ही बात नहीं हैं।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह पहली ऐसी परियोजना है जिसमें जहाज भारतीय नौसेना द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किए जाएँगे और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से चुने गए **रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (DPSU)** उनका निर्माण करेंगे। इस दावे को इसी संयोजन तक सीमित समझना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत ने इससे पहले कोई युद्धपोत स्वयं डिजाइन या निर्मित नहीं किया था।

इसी तरह स्वदेशी डिजाइन को सभी उपकरणों के पूर्णतः भारतीय होने का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सामग्री, उपकरण, तकनीक और जीवनचक्र सहायता के अलग-अलग स्तरों पर घरेलू क्षमता को परखना उपयोगी होगा। उपलब्ध विज्ञप्ति इस परियोजना का कोई निश्चित स्वदेशी सामग्री-प्रतिशत नहीं देती।

> प्रारंभिक स्वीकृति, अंतिम अनुबंध और उपलब्ध सैन्य क्षमता का अंतर समझने के लिए संबंधित लेख पढ़ें: **नौसेना का आधुनिकीकरण: स्वीकृति से क्षमता तक**

रोजगार का सही अर्थ

परियोजना से अगले दस वर्षों में शिपयार्ड में लगभग **72 लाख व्यक्ति-दिवस** और सहायक उद्योगों तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) में लगभग **460 लाख व्यक्ति-दिवस** रोजगार पैदा होने का अनुमान है। ये रक्षा मंत्रालय के अनुमान हैं, पूर्ण हो चुके रोजगार का आँकड़ा नहीं।

व्यक्ति-दिवस काम की मात्रा की इकाई है: एक व्यक्ति का एक दिन काम करना एक व्यक्ति-दिवस होता है। इसलिए 72 लाख व्यक्ति-दिवस का अर्थ 72 लाख अलग-अलग व्यक्तियों की नौकरी नहीं है। निर्माण कितने लोगों में और कितने दिनों में बँटता है, इससे वास्तविक रोजगार की संख्या और अवधि तय होगी।

PCSMANTRA.COM

रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों, निजी शिपयार्ड, भारतीय औद्योगिक साझेदारों और MSME के सहयोग से आपूर्ति-श्रृंखला को अवसर मिल सकता है। इसका लाभ केवल प्रमुख पोत-निर्माता तक सीमित न रहकर छोटे आपूर्तिकर्ताओं, तकनीकी कौशल और रखरखाव-संबंधी गतिविधियों तक पहुँचाना नीति का महत्वपूर्ण लक्ष्य होना चाहिए।

अनुबंध से क्षमता तक

समय और गुणवत्ता: बड़ी खरीद का मूल्यांकन केवल अनुबंध-राशि से नहीं होना चाहिए। निर्माण, प्रणालियों के एकीकरण, परीक्षण और वास्तविक सेवा-प्रवेश की प्रगति अलग-अलग देखनी होगी। यह परियोजना-मूल्यांकन का ढाँचा है; विज्ञप्ति इन सभी चरणों की निश्चित तारीखें नहीं बताती।

प्रौद्योगिकी और रखरखाव: जहाज की उपयोगिता उसके पूरे सेवाकाल में विश्वसनीय संचालन पर निर्भर करती है। डिजाइन का ज्ञान, उपलब्ध पुर्जे, प्रशिक्षित कर्मचारी और समय पर मरम्मत घरेलू क्षमता को टिकाऊ बनाते हैं।

जानकारी की सीमा: आधिकारिक विज्ञप्ति किसी विशिष्ट मिसाइल का नाम, मारक दूरी, पोत का विस्थापन, पूर्ण तकनीकी विनिर्देश या निश्चित आपूर्ति-तिथि नहीं देती। ऐसे विवरणों को सामान्य कोरवेट-विशेषताओं से निकालकर इस परियोजना पर लागू नहीं करना चाहिए।

आगे की राह

- **चरणवार जवाबदेही:** संवेदनशील परिचालन जानकारी सुरक्षित रखते हुए निर्माण और परीक्षण के प्रमुख पड़ावों की जानकारी दी जाए।
- **घरेलू क्षमता का स्पष्ट मापन:** डिजाइन, उपकरण, सामग्री और रखरखाव में भारतीय योगदान को अलग-अलग समझा जाए।
- **औद्योगिक लाभ का विस्तार:** छोटे उद्यमों को गुणवत्ता, प्रमाणन और कौशल-विकास से जोड़कर लंबे समय की आपूर्ति-क्षमता बनाई जाए।

नई पीढ़ी के कोरवेट समुद्री सुरक्षा और रक्षा-निर्माण को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण अवसर हैं। सफलता की कसौटी अनुबंध की राशि नहीं, समय पर उपलब्ध, विश्वसनीय और टिकाऊ नौसैनिक क्षमता होगी।

परीक्षा दृष्टिकोण

मुख्य परीक्षा: GS-III: समुद्री सुरक्षा, रक्षा-स्वदेशीकरण, औद्योगिक आपूर्ति-श्रृंखला और रोजगार।

प्रिलिम्स: NGC, GRSE, GSL, DPSU, पनडुब्बी-रोधी युद्ध और व्यक्ति-दिवस।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. स्वदेशी युद्धपोत निर्माण में डिजाइन-क्षमता, औद्योगिक आपूर्ति-श्रृंखला और जीवनचक्र सहायता का क्या महत्व है? नई पीढ़ी के कोरवेट परियोजना के संदर्भ में विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में लिखिए। 15 अंक)

PCSMANTRA.COM

भूमिका में

आठ कोरवेट के अनुबंध को समुद्री सुरक्षा और घरेलू रक्षा-निर्माण से जोड़ें। अनुबंध और वास्तविक सेवा-प्रवेश का अंतर स्पष्ट करें।

मुख्य भाग में

नौसेना के स्वदेशी डिजाइन तथा प्रतिस्पर्धा से चुने गए DPSU के निर्माण की व्यवस्था समझाएँ। सेंसर, हथियार, प्रणालियों के एकीकरण और रखरखाव को संयुक्त क्षमता के रूप में देखें। MSME सहयोग और व्यक्ति-दिवस रोजगार-अनुमानों का सही अर्थ लिखें। लागत, समय, गुणवत्ता और स्वदेशी सामग्री-मापन की चुनौतियाँ बताएँ।

निष्कर्ष में

डिजाइन से सेवाकाल तक टिकाऊ क्षमता, चरणवार जवाबदेही और मजबूत घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला को सफलता की कसौटी बनाएँ।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. नई पीढ़ी के कोरवेट परियोजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: आठ पोतों में से पाँच का निर्माण GRSE और तीन का निर्माण GSL करेगी।

कथन 2: इन पोतों को वायु, सतह और उप-सतह क्षेत्रों में अभियान के योग्य बनाया जाएगा।

कथन 3: रोजगार के व्यक्ति-दिवस अनुमान से उतनी ही संख्या में अलग-अलग व्यक्तियों की स्थायी नौकरी सिद्ध होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) पहले दो कथन परियोजना की घोषित निर्माण-व्यवस्था और क्षमताओं से मेल खाते हैं। व्यक्ति-दिवस कार्य की मात्रा दर्शाता है, अलग-अलग स्थायी नौकरियों की संख्या नहीं।

प्रश्न 2. नई पीढ़ी के कोरवेट परियोजना में घोषित डिजाइन और निर्माण की व्यवस्था कौन-सी है?

(a) डिजाइन भारतीय नौसेना का और निर्माण प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से चुने गए रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों का

(b) डिजाइन विदेशी नौसेना का और निर्माण केवल निजी विदेशी शिपयार्ड का

(c) डिजाइन केवल GSL का और सभी आठ पोतों का निर्माण केवल GRSE का

(d) डिजाइन और निर्माण की जगह सभी पोत सीधे तैयार अवस्था में आयात किए जाएँगे

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) भारतीय नौसेना पोतों का स्वदेशी डिजाइन करेगी। प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से चयनित GRSE और GSL क्रमशः पाँच और तीन पोत बनाएँगी। यह पूरी परियोजना के हर उपकरण के शत-प्रतिशत भारतीय होने का दावा नहीं है।

PCSMANTRA.COM

स्रोत

1. रक्षा मंत्रालय, 2 नवंबर 2026: आठ नई पीढ़ी के कोरवेट के अनुबंध, लागत, निर्माण-विभाजन, भूमिकाएँ और रोजगार-अनुमान